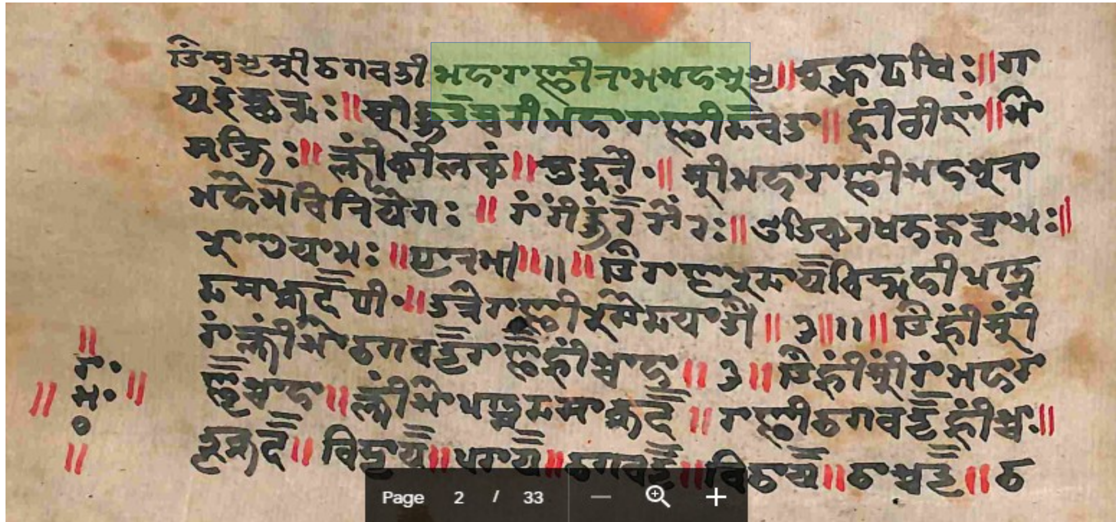
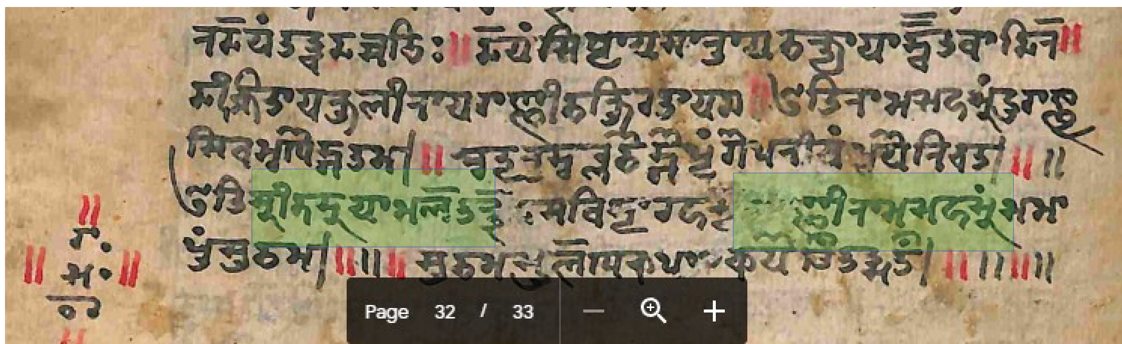
kulgam 10.pdf

Title : Shri Maha Rajni Nama Sahasram (from Rudrayamala Tantra)







ॐ अस्य श्री भगवती भद्रकाली नाम मन्त्रस्य ॥ ब्रह्म ऋषिः ॥ गा
यत्री छन्दः ॥ श्री ॐ भगवती भद्रकाली देवता ॥ ह्रीं बीजं ॥ श
क्तिः ॥ क्लीं कीलकं ॥ ममेष्ट ॥ श्री भद्रकाली प्रसाद
सिद्ध्यर्थे विनियोगः ॥ ॐ ह्रीं हूं फट् स्वाहा ॥ उष्ट्रिका वक्त्र करन्यास
न्यासः ॥ ध्यानम् ॥ ॥ ॐ रक्त वर्णां त्रिनेत्रां खड्ग
खप्पर धारिणीं ॥ ध्यायेद् भद्रकालीं सर्व सिद्धिदां ॥ १ ॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
ॐ क्लीं मे भगवत्यै भद्रकाल्यै ह्रीं स्वाहा ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं ॐ भद्र
काल्यै स्वाहा ॥ क्लीं मे पञ्च मन्त्र रुद्रे ॥ भद्रकाली भगवती ह्रीं श्रः ॥
हृदये ॥ शिरसे ॥ शिखायै ॥ कवचाय ॥ नेत्राय ॥ अस्त्राय ॥ भ

॥ रा॰ भ॰ ० ॥

दिक्पायै ॥ शोभायै ॥ शतरूपायै ॥ मदप्रियायै ॥ माननीयायै ॥
मनीषिण्यै ॥ मनोज्ञायै ॥ मनोल्लासिन्यै ॥ मानप्रदायै ॥ मत्तविह्वलायै ॥
मदविह्वलायै ॥ धनदात्र्यै ॥ धनुर्धार्यै ॥ शिवरूपायै ॥ श्रियै ॥ [illegible] ॥
सिद्ध्यै ॥ सिद्धिकारायै ॥ सिद्धिरूपिण्यै ॥ समस्तपापघ्न्यै ॥
मङ्गलायै ॥ मदनोत्सुकायै ॥ मदनोन्मादिन्यै ॥ मदनमयायै ॥ म
ङ्गल्यै ॥ मनस्विन्यै ॥ मीनकेतनधन्विन्यै ॥ सुमुख्यै ॥ सील
वत्यै ॥ सरलायै ॥ सुरकन्यकापारिजातायै ॥ पद्मिन्यै ॥ पद्महस्तायै ॥
पद्मायै ॥ पद्मकिञ्जल्कधारिण्यै ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

सत्यायै ॥ सत्यवत्यै ॥ सर्वमेधायै ॥ सिद्धिदायै ॥ ऋद्धिदायै ॥ गार्ग्यै ॥
गार्गीपरायणायै ॥ गोधायै ॥ गङ्गायै ॥ गोरूपायै ॥ गायत्र्यै ॥ सर्व-
कामफलदायै ॥ सर्वैश्वर्यविभूतिदायै ॥ सर्वसम्पत्तिदायै
सिद्ध्यै ॥ सम्पत्त्यै ॥ सम्पन्नायै ॥ वरदायै ॥ सरस्वत्यै ॥ लक्ष्म्यै ॥ स
नायै ॥ कुरुक्षेत्रनिवासिन्यै ॥ सेव्यै ॥ सर्वलोकप्रभवायै ॥ कामदायै ॥ का
मदेवायै ॥ शिवप्रियायै ॥ शिववक्षःस्थायै ॥ कालिकायै ॥ हिरण्य
दायै ॥ सर्वलोकप्रभवायै ॥ सर्वविद्यास्वरूपिण्यै ॥ कलाविनोद
दायै ॥ सर्व्यै ॥ सम्पत्त्यै ॥ सत्यप्रतिष्ठायै ॥ सर्वमङ्गलप्रदायै ॥
सत्यायै ॥ सिद्धिदायै ॥ कमलनयनायै ॥ पद्मायै ॥ नारायण्यै ॥

॥ श्री ॥
॥ ५ ॥

[illegible]

वतुन्यै ॥ वभन्मन्धिपन्यै ॥ मित्रायै ॥ भुपभयै ॥ वैरकारायै ॥
वैगिदयै ॥ वीरभद्रदै ॥ वन्मप्रभिगुडयै ॥ वभन्यै ॥ वभवेइयै ॥
ममिधूकयै ॥ मम्रमयै ॥ मकुदै ॥ भीतुन्यै ॥ गवीद्रमापिलैमनयै ॥
मक्तिरयै ॥ वनहै ॥ वीगुयै ॥ गीडहूयै ॥ भमिरवहै ॥ वटभुयै ॥
वन्लीभ्रन्त्रै ॥ वटलयै ॥ वटकमिहै ॥ वडुकै ॥ वीरभ्रै ॥ वतूयै ॥
भि धंत्रिहै ॥ भीदिहै ॥ मभुँ ॥ भन्नगन्नुमदभुयै ॥ वगहयकरायै ॥
॥ जेइ ॥ पटीरद्रभवलुँ ॥ वटिकयै ॥ वटकीमदै ॥ उल्लमयै ॥ उपि
॥ दुः भः ॥ कुवै ॥ कन्तै ॥ गवहै ॥ गम्भिपायै ॥ गैदिहै ॥ गवडीभुयै ॥ गम
७ ॥ गुयै ॥ गैभदविहै ॥ गभिल्लभयै ॥ गभभनयै ॥ भगिहै ॥ डगिहै ॥

उँ न्ग स्हृयै ॥ क्रुस्निहै ॥ क्रुमशक्लदै ॥ कृ न ह्रणयै ॥ कस्मीदै ॥ क्रहै ॥
स्रवहै ॥ मूलन्यै ॥ मूवभुक्तयै ॥ मूउगहै ॥ पीं न्हू ॥ मगलभूषि
भषाणे ॥ मेठनयै ॥ नीतिस्तुत्यै ॥ कुलभाषै ॥ नहै ॥ सुलकायै ॥
उल्लायिहै ॥ ठेहायै ॥ ठक्रै ॥ हिंगवहै ॥ गलायै ॥ पद्मरागम्पदै ॥ प्र
ड्यै ॥ प्रलुभक्तयै ॥ समस्तवहै ॥ सयेप्रयै ॥ येएनीयायै ॥ युगम
हे ॥ यक्षिहै ॥ यह्लम्वदै ॥ येगगम्भुयै ॥ येगिपयायै ॥ यमस्विनी ॥ य
मेवहै ॥ म चहै ॥ मन्हभन्यै ॥ मलयै ॥ समलायै ॥ दगीस्वदै ॥ द
रेमयायै ॥ भायिहै ॥ वायुवेगिहै ॥ सधुलिकायै ॥ सम्भूयै ॥ ठन
सै ॥ इमक्रुणयै ॥ भदभहै ॥ लेकस्वदै ॥ कमलायै ॥ कीर्तिरूपयै ॥

॥ श्री॰ ॥ म॰ ॥ ह ॥

कीर्त्तिवर्द्धिने ॥ कुंठेत्रमे ॥ कुरुप्रभवे ॥ मन्दुरिप्रमभानानाय ॥
मन्दुकुरुमल्लिपुत्रे ॥ कनकमलकश्रिये ॥ मलयमलभव
भुवे ॥ हिमाद्रिद्रवनयये ॥ उत्तरे ॥ हिमाद्रिकुक्षिसम्भुवे ॥
कुटिरकाये ॥ कैमलस्वराये ॥ कार्त्तिकनिगताये ॥ गुरुकाये ॥ गुरु
गुल्हूये ॥ चण्डिगोपिताये ॥ उत्तराये ॥ उत्तरूपाये ॥ रा॰पणाये ॥
नदे ॥ पुरी॰ये ॥ प्रभूवरने ॥ प्रभूकेसाये ॥ धन॰नाये ॥
धन॰ये ॥ गदे ॥ भुजे ॥ गरिभूये ॥ गरीयसे ॥ मदनसे ॥ मद
काये ॥ भय भयक्षयकृते ॥ धर्मरूपाये ॥ बलहीनेतिधि ॥ धनि
नदुभाभूते ॥ सुभाये ॥ सुभमाये ॥ सत्याये ॥ सुत्तभक्तपदनिते ॥

गुचे॥ नन्तये॥ गेमहे॥ तुहनुये॥ गैमहे॥ तुहवाम्हे॥ नयाये॥
गीतमन्त्रेषमंमत्नुये॥ गृह्लिहे॥ गृद्हिहे॥ तुहनुये॥ न~
भ्रियाये॥ नल्लगहे॥ नाकुदे॥ गाबुभैक्षिहे॥॥॥ डलैमि॥॥ ए
डवम्नै॥॥॥ गानुभमनमानभुये॥ ३०॥ वैमहुमनलछुल
याये॥ गरन्नभ्रियाये॥ गाहन्ये॥ नूमिकाये॥ गृहवजाये॥
गृहजस्वे॥ तुहवभाये॥ गृहमाल्लविकुषन्तये॥ केवीदे॥
॥ श॰ ॥ म॰ ५ ॥ जुहकहन्ने॥ स्कुविहुय॥ भ्रियकृदे॥ पीडभुराये॥ पल्के
राये॥ पन्तकाये॥ मठभ्रिल्ये॥ भगाये॥ मकायहे॥ मक्रिम
डये॥ मक्रियहुविनामिने॥ डगमहभ्रिडाये॥ डगये॥ डदे

उदयै॥ उदहैं॥ उलायै॥ मकुइयी॥ मछैं॥ मगमकुयैं॥ उगह
लालिडयै॥ ललिडयै॥ लैजिडयै॥ लुमदयै॥ ममुयै॥ कमदयैं॥
कुलायै॥ मछैं॥ मछैं॥ मछवछैं॥ मभुयै॥ ममनयै॥ मानवृचिहैं॥
मजैमयैं॥ मनमुछैं॥ कुमपनव॥ मनउहैं॥ मक्षमापयै॥ म
क्षमुपयै॥ मुलक्षुपयै॥ कलावहैं॥ उलाउलमिययै॥ मिरुव
हुवकयै॥ लमिकयै॥ मयायै॥ मेमनमिहैं॥ मुपमहैं॥ मन
कम्हममक्षिडयै॥ मकुकिहैं॥ यमनयै॥ विपमयै॥ नम्रमयै॥
नहैं॥ नकहैं॥ उगवहैं॥ मिमुयै॥ विक्षुयै॥ मामहैं॥ नवयै॥
निगवहैं॥ उक्षमहैं॥ मगावमिहैं॥ मवहैं॥ मवमहैं॥ मवहैं॥

[illegible]

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

[illegible] ||

पङ्कव उगाडयै ॥ नन्दीकृपिहै ॥ वउभद्रायै ॥ वृषिकृप
यै ॥ वृद्धिमिथायै ॥ वड्वनलमत्रिष्ठायै ॥ दत्तवै ॥ दवि
कृष्णेत्रिषे ॥ वृश्चिलायै ॥ मेषमेष्वरायै ॥ मेषकन्यायै ॥ मेष
पञ्चपञ्चयञ्जयै ॥ मेषमुखनन्द्यै ॥ मेषमुखुपायै ॥ मेषमु
यै ॥ मेषभद्रायै ॥ धनुष्ठायै ॥ धनुर्भायै ॥ धनुर्घयै ॥ धनु
भद्रायै ॥ यक्षिणीहै ॥ यक्षुष्ठगोष्ठायै ॥ यक्षमानवानरायै ॥
याक्षिणीहै ॥ यक्षुविष्णुयै ॥ यक्षमानेकभद्रायै ॥ कुकमग
मिहै ॥ वक्त्रायै ॥ ॐ नमः ॥ ॥ सकुलयै ॥ ५० ॥ कुकमभ
द्रायै ॥ मीनप्रियायै ॥ मीननेत्रायै ॥ मीनसमयै ॥ मीनभद्रायै ॥

[illegible]यै || [illegible] || [illegible]यै || [illegible] || [illegible] || वी-
रे || वह्न्यै || [illegible]यै || [illegible]यै || [illegible]यै || [illegible]यै ||
[illegible]यै || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible]यै || [illegible]यै || [illegible] || [illegible] || [illegible]यै ||
[illegible]यै || [illegible]यै || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible]यै || [illegible]कीलायै || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible]यै || [illegible]यै || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible]यै || [illegible] || [illegible]
[illegible]यै || [illegible] || [illegible] || [illegible]यै || लक्ष्म्यै(?) [illegible]यै || नमः
[illegible] ||

|| [illegible] || (margin)

रामप्रियायै ॥ मङ्गल्यै ॥ मङ्गलधरगेहरूपायै ॥ लावण्यमण्डपरान्वितायै ॥
लावण्यभरधरात्रिवृते ॥ लोहितप्रभायै ॥ प्रमत्तप्रभायै ॥ भगमालायै ॥ राम
भृकुटे ॥ त्रिपुरकेशायै ॥ त्रिपुरमाये ॥ यमवरतकदे ॥ लयायै ॥ यति
गणविविक्तायै ॥ यैदन्यै ॥ रगायै ॥ शीतप्रभवभृकुटे ॥ श्यपपूर्वे ॥ श्यपमहे ॥
लिङ्गमाजपरायणायै ॥ लिङ्गरूपायै ॥ लिङ्गलक्ष्मी ॥ लिङ्गमहायै ॥
लिङ्गप्रियायै ॥ लिङ्गवंशपरायै ॥ उमायै ॥ नीलतन्व्यै ॥ शम्भुभृकुटे ॥
कान्ते ॥ केलाकलभीरुण्यै ॥ प्रतिवादयै ॥ भवभूते ॥ कान्तिप्रियायै ॥
कम्बुपरायै ॥ कलिकल्केशभृकुटे ॥ विष्णुमायायै ॥ ब्रह्ममायायै ॥
सम्भुहे ॥ मदवरदायै ॥ उत्तमवरणवशभूत्यै ॥ भुजगपत्रे ॥ पल्ल
लिवे ॥

लुम्भिनै ॥ लम्भदत्तै ॥ लभ्वभनकमात्तुलयै ॥ कुलतुलपफस्पृत्तै ॥
पफफनयै ॥ वलभृफयै ॥ कुलसगीस्वदे ॥ कुलत्तयै ॥ कुलरुयै ॥ कु
लस्वफदे ॥ भाफगभ्वफयै ॥ भल्लयायै ॥ भत्तलनैस्वदे ॥ भलि फु
लयै ॥ पपदत्तै ॥ पकमभनस्वफदे ॥ भदकेटिभत्तीकमयै ॥
भदडेलेभत्तै ॥ भत्तै ॥ लोपनीछुहिनुयै ॥ गफुत्तपिनै ॥ ॥ डुलेसि ॥ ॥
भदस्वफदे ॥ ॥ २० ॥ ॥ मन्निकयै ॥ भुपपनयै ॥ लेभ्रैयै ॥ मीडं
सुभफदे ॥ लेलत्तै ॥ मडत्तै ॥ मीडयै ॥ भदभृत्तै ॥ भदभूपफ ॥
डफत्तै ॥ भदभ्रुलवल्लिकयै ॥ कोटिगङ्कंसुमेठयै ॥ सुठवभृयै ॥
मडननयै ॥ मडनफयै ॥ सूडिपनयै ॥ पिफलनयै ॥ उफनयै ॥ उयुन
मित्तै ॥

॥ ग० ॥ म० ॥ ७ ॥

भधुमुयै ॥ दाकेयूरत्रभरारवमङ्कलायै ॥ घोरनादायै ॥ घोर
भाषे ॥ उन्मादिनि ॥ उल्मुकयुधायै ॥ गेधितायै ॥ मुलदे ॥ गाधायै ॥
गायत्रि ॥ वेमवल्लभायै ॥ वल्लकीभरनादायै ॥ नादविदायै ॥ नमो
स्तुते ॥ विद्रुमायै ॥ मद्रयेनयै ॥ विद्रुमनादसंभूपिते ॥ मद्रसुदे ॥
भैरवीशे ॥ भद्रभैरववल्लभायै ॥ कालभैरवभदायै ॥ कालभैर
वनुते ॥ मलयानलसंभूतायै ॥ येनिमदलतायायै ॥ कुमदे ॥
विमतीमहयै ॥ नवमहविलासिते ॥ वियोगिते ॥ स्मशानभूम्यै ॥
स्मशानाख्यानडेधितायै ॥ भ्रमरहे ॥ भनमिपायै ॥ भनवमनवसिते ॥
भद्रकन्ते ॥ मीकन्ते ॥ मध्यकालिकायै ॥ नीरकन्ते ॥ कलरहे ॥

कलै॥ कर्मभवकालिकायै॥ उत्कटकलै॥ प्रचकलै॥ पश्चिमध्य
कालिकायै॥ श्मशानकालिकायै॥ ठकुकलै॥ श्रीउग्रकालिक
यै॥ क्रींकालउग्रकालिकायै॥ श्रींह्रूंह्रींमहाकि~कालिकायै॥ भद्रदे॥
द्विभोगस्थे॥ द्विकुरूपायै॥ द्विभागविडम्बायै॥ द्विनेश्वरायै॥ द्विभागमुक्त
यै॥ द्विपदायै॥ भगबीजे॥ द्विलिंकाननस्थे॥ द्विजायै॥ भगद्विभागभ
द्रदे॥ कामेश्वरदे॥ कामकलायै॥ कालकामेशभद्रदे॥ द्रुमदे॥

॥ रा॰ ॥ भ॰ ॥ ०॰ ॥

द्रुमवीमहे॥ ठवनायै॥ ठुवनेश्वरदे॥ रमकदे॥ मउकुरूपायै॥ द्वि
कामेश्वरी॥ लयेश्वरदे॥ मउचलायै॥ मउचलेश्वरी॥ चलहृदयायै॥ मउ
रमदे॥ पाञ्चमदे॥ पञ्चरूपायै॥ पञ्चरूपायै॥ पञ्चमदे॥ मधुमदे॥

नहै॥ नहै॥ पारमण्यै॥ स्वच्छन्दे॥ गँस्वदे॥ नवस्थै॥ पञ्चस्थै॥ महुं॥
नगेसु॥ नवच्छन्दे॥ मनच्छन्दे॥ मनामेसु॥ मविकथै॥ पकामम
छन्दे॥ स्वमनाभित्हमकुमण्यै॥ स्वमसु॥।।ऊँ भि॥।।स्वमनाछ
दे॥।।॥ १०॥।। ॥ ह्रियेमसु॥ वेमगाढण्यै॥ वन्हण्यै॥ इयेमनाछन्दे॥
मउकुमाछन्दे॥ विहृयै॥ स्वविहृयै॥ पञ्चमनाछन्दे॥ धेकसु॥
भच्वविहृसु॥ भदसूधेकमाछन्दे॥ सूभदधेकसीविहृयै॥
मित्तुभलिभनभियाये॥ स्वविंमहृछन्दे॥ स्वभण्यै॥ भदक
लतुकभिहे॥ वसूडारयै॥ कलडारयै॥ नन्दे॥ डारयै॥ ७
गुडारयै॥ कभडारयै॥ मवुडारयै॥ स्वमवुडारयै॥ नभाभियायै॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पलभुमरपत्तिर्यै ॥ पद्मभुजायै ॥ भुतयै ॥ पोष्ट्यै ॥ पीतभूषायै ॥
पीडकूपण्डायै ॥ पिङ्गनेत्रायै ॥ पिङ्गकेशायै ॥ पिङ्गलायै ॥ पिङ्ग
लेश्वर्यै ॥ मङ्गलायै ॥ मङ्गलीमूर्त्यै ॥ सर्वमङ्गलमङ्गलायै ॥ भुव
नेश्वर्यै ॥ परमात्मायै ॥ परापरायै ॥ पुरायै ॥ पुराणायै ॥ सर्वसर्वे ॥
सर्वलोकनिवासिन्यै ॥ देवमोहनायै ॥ रक्तभूषायै ॥ सकलभूषायै ॥
भागवत्यै ॥ भगिन्यै ॥ भैरवत्यै ॥ मंत्रायै ॥ मंत्रमालापरायणायै ॥ मह
लेरूपायै ॥ कुलमात्रे ॥ ब्रह्मविष्णुकलासिद्धायै ॥ महाप्रलयकालसंहर्त्र्यै ॥
सिद्धायै ॥ घोरकालरूपायै ॥ सर्वदे ॥ श्रीभद्रदे ॥ श्रीश्रीरविवि
किर्त्यै ॥ विश्वकर्मिलयायै ॥ रुद्रायै ॥ ॥ ऊँ लेखि ॥ ॥ निरुत्तिरायै ॥
॥ ॥ ३० ॥ ॥

रु॰ ॥ भ॰ ॥ ७३ ॥

त्रिपुरान्तकाय ॥ भगनेत्रविद्राव्णाय ॥ मीढुष्टमाय ॥ मीढुष्टमभ्याय ॥ मूल-
ऽधिष्ठात्रे ॥ कामिकाय ॥ किंमहते ॥ किंसूक्ष्माय ॥ किंमहाय ॥ उपवस्त्रे ॥
उग्राय ॥ भव्याय ॥ नन्दाय ॥ नीलाय ॥ नालिकाय ॥ नलकवियाय ॥ नलवते ॥
गन्धवते ॥ गन्धपिधानविद्राय ॥ मल्लवाभने ॥ मल्लरूपाय ॥ मणिद्भ-
याय ॥ लयवते ॥ लनाय ॥ लम्बलनकलनदधानदद्राय ॥ कमधिय-
याय ॥ कमण्डलाय ॥ कमण्डलाय ॥ कमभरूदे ॥ कनकभिदे ॥ कीरवते ॥ पीर-
याय ॥ चणीराय ॥ घटरूदे ॥ भुवनघ्नाय ॥ भमभवते ॥ निरनरूपाय ॥ निरलयाय ॥
भमभुभापरूपाय ॥ भगाय ॥ वरनितिवधरूपाय ॥ वल्लभे ॥ वीरपनी-
रूपाय ॥ वभपह्णे ॥ वभप्रियाय ॥ मनरूनरूपाय ॥ मनरूभाय ॥ मनरूपद-
याय ॥

श्रुतप्रियायै || श्रुतिः || श्रुतरूपायै || भगमुनरक्षकत्रुकायै || भगमुत्रश्रुति
लयायै || ठगाकृपायै || ठगीश्वरि || ठगारिभूयायै || ठगायै || कृत्रुयायै || ठ
गलिङ्गधात्रुधिरे || ठङ्गलिङ्गश्वरि || श्रीरूपायै || ठगालिङ्गभउधवायै ||
क्षीरमनायै || क्षीररूपायै || रटपनपायपत्रायै || भगुपानपायै ||
श्रेकृत्यै || पीवर्मायै || परंपरायै || पिल्लपिल्लायै || पटेलमायै ||
पटलायै || भृक्लेमनायै || क्षीरभुप्रियायै || क्षीवायै || भरलायै ||
भरलयुगायै || भक्नूभायै || भनयायै || भुत्रुयै || भंकउयै || भनकेश्वरि ||
कृन्यै || कनकरोपायै || कटेउद्र निवासिनि || कद्रुनाठउनयै ||
कद्रुयै || ऊधरेगविनासिनि || कंगमुरवयै || ऊत्रे || ऊउयुगपायै ||

॥ प॰ स॰ ०३ ॥

पतये ॥ सप्तभूताय ॥ स्वर्गनाथाय ॥ सकेश[illegible] ॥ सप्तकुलाय ॥ सप्तच-
क्षप्रियाय ॥ सप्ताह्ने ॥ सप्तचनदलपूर्णाय ॥ सप्त[illegible]गिरि ॥
[illegible]ताय ॥ सप्त[illegible] ॥ सप्त[illegible]ताय ॥ सप्त[illegible]गिरि ॥ सप्तताय ॥
सप्तकाय ॥ लक्षकाय ॥ लक्षताय ॥ कल[illegible] ॥ [illegible] ॥ कल[illegible]
[illegible] ॥ कल्पपमाय ॥ सप्तविष्णवे ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ वि[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ७० ॥ ॥ [illegible]प्रियाय ॥ [illegible] ॥ विश्व[illegible] ॥
लोक[illegible] ॥ शिवप्रियाय ॥ [illegible] ॥ विष्णु[illegible] ॥ रुद्र[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]याय ॥ नगर[illegible] ॥ [illegible] ॥ वीर[illegible] ॥ [illegible]प्रियाय ॥ सप्त[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ मलयाय ॥ नमलाय ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥

डोरा ह्लैं॥ स्वपभूतयायै॥ भद्रा ह्लैं॥ वेरुरा ह्लैं॥ डड्डुरा ह्लैं॥ सुहृ
भियायै॥ ऋवरा ह्लैं॥ भद्रिरा ह्लैं॥ ऋइरा ह्लैं॥ ऋयकरायै॥ कल
रा ह्लैं॥ भूलरा ह्लैं॥ डुलेरा ह्लैं॥ दरासूयायै॥ पलीरा ह्लैं॥ पये
रा ह्लैं॥ वायुरा ह्लैं॥ भरुलभायै॥ गलरा ह्लैं॥ गरुरा ह्लैं॥ गा॰
रा ह्लैं॥ तुन्तस्मूययै॥ भरारा ह्लैं॥ भपारा ह्लैं॥ ठीभरा ह्लैं॥ छये
ह्लिडुयै॥ डोविरा ह्लैं॥ मयरा ह्लैं॥ भडरा ह्लैं॥ ऊल्लतडूयै॥ व
भरा ह्लैं॥ ऋनरा ह्लैं॥ डरिरा ह्लैं॥ दलीशदे॥ भडरा ह्लैं॥ यक्षरा ह्लैं॥
क्षुडरा ह्लैं॥ मवभनायै॥ वडरा ह्लैं॥ भूीडरा ह्लैं॥ मेपरा ह्लैं॥ म
भधूरुयै॥ भुकुमरा ह्लैं॥ रलाह्लैं॥ रपरा ह्लैं॥ गडिश्रियायै॥

पाञ्चालराज्ञे ॥ शूरराज्ञे ॥ भूतराज्ञे ॥ विषयपदाय ॥ सिद्धराज्ञे ॥
विन्ध्यराज्ञे ॥ डामरराज्ञे ॥ विन्ध्यमध्ये ॥ ठक्कुरराज्ञे ॥ मत्स्यराज्ञे ॥ डाम
राज्ञे ॥ पवनसिद्धे ॥ सूदराज्ञे ॥ लङ्कराज्ञे ॥ वङ्गराज्ञे ॥ मगधकुरु
ये ॥ चीनराज्ञे ॥ मैथिलराज्ञे ॥ मत्स्यराज्ञे ॥ काश्मीरे ॥ मालवराज्ञे ॥ गौड
राज्ञे ॥ यवनराज्ञे ॥ मल्लिकुरुभ्यः ॥ सिन्धुराज्ञे ॥ नर्मदाराज्ञे ॥ नरु
राज्ञे ॥ सौवीरक्षितिपाय ॥ विन्ध्यराज्ञे ॥ नागराज्ञे ॥ तुरुष्कराज्ञे ॥ म
रुडाय ॥ भद्रराज्ञे ॥ यवनराज्ञे ॥ लयराज्ञे ॥ मगधेश्वराय ॥ सौराष्ट्रराज्ञे ॥
राज्ञे ॥ नाकेशे ॥ शूरसेनराज्ञे ॥ मगधराजाय ॥ कलिङ्गराज्ञे ॥ वीरराज्ञे ॥
यक्षराज्ञे ॥ सिन्धुपतये ॥ नागराजराज्ञे ॥ द्रविडराज्ञे ॥ कामरूपराज्ञे ॥

॥ म० ॥ २८ ॥

विस्त्रुअपिन्दै ॥ पञ्चमम मञ्दे ॥।॥ उन्मे म्रि ॥।। ॥ ॐ ह्रीं क्रुं स्वरीस्व
दैस्त्रुद ॥।। ॥०‥॥।। ॥ ॐ उडीं मत्रुमचवंशं गह्लीं नमम्रदमू
कमा। ॥ पञ्चमम मञ्चरीउत्तुं उत्रुमणंमनुधूियमा। ॥ मचउत्तुमयंम
हुंमदपपाउकनामिनमा। ॥ मचमिक्लिमूरुंल्लेक मचरेगानिवद्द
नमा। ॥ मचैविस्त्रउमूसमनं गूरुमात्रिकांपरमा। ॥ मचस्त्रेवभूयंम
हुं मचमत्रुचयाणवदमा। ॥ मचमृः यन्थसमनं मचसैकविनम
नमा। ॥ प०स्त्रुपा० यंत्रामुं मदभूसक्ति मविपौ ॥ प्रगस्तेवपलाय
त्रुविपरुः मत्रुचीउय ः॥ गक्रमक्रुडवेडन्लाः पत्रगादरिण्मुक्लि
य ः॥ प०नस्त्रिदूवत्नुमुमदकल्लाढिवमूए ः॥ मूवण्मुद्रउकंनस्टे
स्त्रुवयेस्टः मरुयूवया। ॥ मस्त्रिमेण मदमूस्टवस्तिपयमउस्तम ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रुद्रविनीताः ॥ इमं स्तवं परमं [illegible] भवभयविनाशनम् ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ इति [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥
इति श्रीमद्रुद्रयामले तन्त्रे [illegible] विष्णु [illegible] नाम [illegible]
सम्पूर्णम् ॥ ॥ ॥ शुभमस्तु लेखकपाठकयोः [illegible] ॥ ॥ ॥ ॥

॥ रु॰ ॥ म॰ ॥ [illegible] ॥

